"शिक्षा का उद्देश्य कौशल और विशेषज्ञता के साथ अच्छे इंसान को बनाना है। प्रबुद्ध मानव का निर्माण शिक्षकों द्वारा किया जा सकेता है। शिक्षा नीति में बदलाव देश को बेहतर छात्रों, पेशेवरों और बेहतर मानव प्रदान करने का एक प्रमुख तरीका है।" डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

कनेक्ट

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

खंड 6 अंक 10 अक्टूबर 2020 www.mgncre.org

"नई शिक्षा नीति नौकरियां, उद्यमी पैदा करेगी- केंद्रीय शिक्षा मंत्री

डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'

लगभग पिछले तीन दशकों से शिक्षा नीति में कोई बदलाव नही हुआ था। सभी ने इसका स्वागत किया है और नई नीति को समाज के सभी क्षेत्रों से भारी प्रतिक्रिया मिली है। एन.ई.पी. आने वाले वर्षों में भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक मानकों के साथ संरेखित करने में मदद करेगा।

8 सितंबर को 54 वें अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर बोलते हुए, **डॉ. रमेश पोखरियाल** ने मानसिक शिक्षा के मूल्यों पर जोर दिया।

उन्होंने कहा ***"साक्षरता विकास का एक त्वरक है जो व्यक्तियों को आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक लाभों तक पहुंचने और लाभ उठाने में सक्षम बनाता है।*** *औपचारिक तरीके से ज्ञान और प्रबोधन प्राप्त करने की अंतहीन यात्रा में प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में साक्षरता पहला कदम है। व्यापक परिप्रेक्ष्य में, साक्षरता राष्ट्रीय प्रगति, सार्वभौमिक भाईचारे और सतत विकास के लक्ष्यों को महसूस करने का एक महत्वपूर्ण साधन है।"*

शिक्षक दिवस के अवसर पर पहले आयोजित पुरस्कार समारोह में वस्तुतः **भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद** ने देश भर के 47 शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया, केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि *शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं जिनके चरित्र, भावना और ऊर्जा राष्ट्रों के भाग्य को आकार दें।*

श्री पोखरियाल ने कहा कि शिक्षकों के सामने आने वाली चुनौतियाँ बहुत बड़ी थीं क्योंकि उन्हें वैकल्पिक शिक्षण और सीखने की रणनीतियों के साथ आमने-सामने शिक्षण को बदलना पड़ा। उन्होंने अपील की कि एक शिक्षक को अपनी बौद्धिक क्षमताओं का पूरा उपयोग पीढ़ियों को प्रेरित करने और राष्ट्रीय और वैश्विक संदर्भों में समता, सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए करना चाहिए।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. - गतिविधियों की एक पथप्रदर्शक राह पर!

प्रकोष्ठ का गठन प्रयास को संस्थागत बनाने के लिए है

व्यावसायिक शिक्षा - नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.)	141 कार्यशालाए 1698 वी.ई.एन.टी.ई.एल. प्रकोष्ठों का गठन 4900 प्रतिभागी
सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य सेल एक्शन प्लान सेल (एस.ई.एस. आर.ई.सी.)	40 कार्यशालाए 592 प्रकोष्ठों का गठन 1568 प्रतिभागी
ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)	71 कार्यशालाए 1516 प्रतिभागी 814 लाल प्रकोष्ठों का गठन
एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. - बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल (एफ.बी.एस.सी.)	87 कार्यशालाए 830 प्रतिभागी 636 एफ.एस.बी.एस. प्रकोष्ठों का गठन

3 एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर!

- *ग्रामीण प्रबंधन में बी.बी.ए. और एम.बी.ए. शामिल करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय और गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय के साथ और ग्रामीण उद्यमिता विकास, ग्रामीण रणनीतिक विपणन और ग्रामीण अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, और संकाय विकास कार्यशालाओं का आयोजन।*
- *व्यावसायिक शिक्षा - नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) के क्षेत्रों में यू.जी. और पी.जी. स्तरों पर पाठ्यक्रमों की सहायता के लिए तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय (टी.एन.टी.ई.यू.) के साथ।*

संपादक की टिप्पणी

यह संस्थागत प्रणालियों के साथ-साथ प्रथाओं के साथ शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने का महीना है। हम शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार 5 सितंबर से 5 अक्टूबर तक पूरे जोश के साथ **राष्ट्रीय शिक्षा माह** मना रहे हैं। इस महीने के दौरान हमने शिक्षक दिवस, साक्षरता दिवस, राष्ट्रीय नई तालीम दिवस (महात्मा गांधी की जयंती), राष्ट्रीय नई तालीम सप्ताह और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया है। गांधीजी की 150 वीं जयंती की परिणति ने इस आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया।

व्यावसायिक शिक्षा - नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) ने पूरे देश में भाप इकट्ठा की है। कार्यशाला के बाद, संस्थानों में एक वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना समिति होगी जो अपने संबंधित संस्थानों में वी.ई.एन.टी.ई.एल. गतिविधियों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगी।

उद्यमिता सीखने के माध्यम से प्रबंधन शिक्षा का उद्देश्य अच्छी तरह से महसूस किया जाता है। उद्यमिता का मार्गदर्शक सिद्धांत है "शिक्षा और कार्य को अलग नहीं किया जा सकता है और कार्य, अनुसंधान, योगदान, रचनात्मक और महत्वपूर्ण सोच कौशल के बिना, हम नया ज्ञान नहीं बना सकते हैं"।

ग्रामीण उद्यमिता विकास (आर.ई.डी.) गतिविधियों को एक संस्थागत पहचान प्रदान करने के लिए, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) की स्थापना के लिए पूरे भारत में उच्च शैक्षणिक संस्थानों को प्रोत्साहित कर रहा है। आर.ई.डी.सी. की भूमिका ग्रामीण उद्यमों के साथ इंटर्नशिप और प्रशिक्षुता प्रदान करना है, ग्रामीण उद्यमिता शुरू करना, ग्रामीण निर्माताओं के साथ नेटवर्क तैयार करना, ग्रामीण तकनीकी हस्तक्षेप विकसित करना और छात्रों को उनके मन में उद्यमशीलता की भावना पैदा करके ग्रामीण उद्यमी बनाना है।

कार्यशालाओं का उद्देश्य ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) का गठन करना है; परिसर में छात्रों के बीच ग्रामीण उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देने के तरीके साझा करना; आर.ई.डी.सी. की संकाय टीम की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर चर्चा करने के लिए; और आर.ई.डी.सी. गतिविधियों के लिए आगे बढ़ने के तरीके को बढ़ावा देना। इस संबंध में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने संस्थानों के समूह बनाकर देश के कई राज्य विश्वविद्यालयों से संबद्ध प्रबंधन कॉलेजों और बिजनेस स्कूलों के साथ आर.ई.डी.सी. पर ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया। इस पहल के माध्यम से 1000 से अधिक आर.ई.डी. सेल का गठन किया गया है। अगले चरण में, हम एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी.-बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल (एफ.बी.एस.सी.) का संचालन कर रहे हैं, जहां हम एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. के साथ जुड़ रहे हैं। छात्रों को ग्रामीण उद्यमिता विकास के तीन महत्वपूर्ण चरणों के माध्यम से जाना जाएगा, यानी इंटर्नशिप, शिक्षुता, और उद्यमिता में समापन।

शिक्षा को ग्रामीण उद्योग के साथ जोड़कर, हम ग्राम स्वराज के एक सतत विकास मॉडल को प्राप्त कर सकते हैं और राष्ट्र की भलाई के लिए छात्रों का पोषण कर सकते हैं।

इस महीने हमारी गतिविधियों को पूरा करने के लिए, यह मुझे बहुत गर्व देता है कि हमारे प्रयास स्वैच्छिक थे। 1698 वी.ई.एन.टी.ई.एल. प्रकोष्ठों का गठन किया गया था, जबकि एस.ई.एस.आर.ई.सी. में 592 प्रकोष्ठों का गठन किया गया था, 814 आर.ई.डी. प्रकोष्ठों का गठन किया गया था और 636 एफ.बी.एस.सी. प्रकोष्ठों का गठन किया गया था।

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं। उनका योगदान बहुत बड़ा है। कोविड 19 संकट के इन समयों में भी, वे ऑनलाइन मोड पर लगातार काम कर रहे हैं और समय की कॉल को स्वीकार कर रहे हैं। मैं शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षण बिरादरी को सलाम करता हूँ!

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने संस्थागत प्रणालियों और ग्रामीण शिक्षा के लिए प्रक्रियाओं के साथ शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करने का बीड़ा उठाया है। ऐसे संकाय की जरूरत है जो तेजी से विकसित हो रहे शिक्षा के माहौल को अपना सकें। हाल ही में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशानिर्देशों ने हमारे दृढ़ संकल्प को मजबूत किया है। ग्रामीण उद्यमिता विकास (आर.ई.डी.) गतिविधियों सहित विभिन्न पूर्वज गतिविधियों में एम.जी.एन.सी.आर.ई. अग्रणी है।

गाँधी जी के विचारों में ग्राम स्वराज और आत्म निर्भार भारत गाँव की आर्थिक गतिविधियों पर केंद्रित है। उनके विचारों को वास्तविकता में लाने के लिए हम ग्रामीण उत्पादों और ग्रामीण सेवाओं के विनिर्माण और विपणन में उद्यमशीलता के अवसरों को बढ़ावा दे रहे हैं और उद्यमिता के लिए कला और आत्मनिर्भरता के लिए और शिल्प के मॉडल की खोज कर रहे हैं।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

इंटर्नशिप
शिक्षुता
उद्यमिता

एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. को
बिजनेस मैनेजमेंट स्कूलों के
साथ जोड़ना -

पथप्रदर्शक पहल पर
एम.जी.एन.सी.आर.ई.

****

व्यावसायिक शिक्षा - नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) कार्यशालाएं

अपनी वी.ई.एन.टी.ई.एल. (व्यावसायिक शिक्षा - नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा) कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाओं के साथ जारी रखते हुए, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने प्रत्येक संस्था के साथ सफलतापूर्वक कई कार्यशालाएं आयोजित कीं, जिसमें वी.ई.एन.टी.ई.एल. सेल का गठन किया गया, जो व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षा को पाठ्यक्रम में एकीकृत करने के लिए विभिन्न गतिविधियों पर काम करेगा।

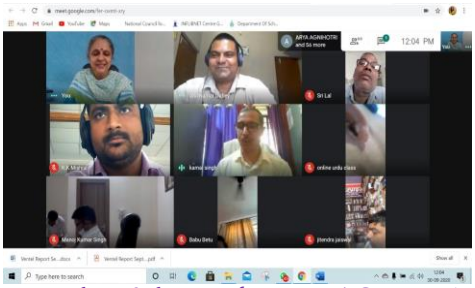

एक वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला 30 वीं सितम्बर को डाइट उन्नाव और जी.बी. नगर, उत्तर प्रदेश के शिक्षा संबद्ध कॉलेजों के साथ आयोजित किया

` व्यावसायिक शिक्षा - नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) कार्यशालाएं सितंबर 2020

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	वी.ई.एन.टी.ई.एल. सेल	प्रतिभागी
1.	आंध्र प्रदेश	44	120	813
2.	अरुणाचल प्रदेश	1	-	32
3.	असम	1	-	12
4.	दिल्ली	1	15	36
5.	गुजरात	5	37	195
6.	हरियाणा	14	282	421
7.	हिमाचल प्रदेश	4	103	250
8.	कर्नाटक	1	15	99
9.	केरल	4	85	307
10	मध्य प्रदेश	4	56	56
11	महाराष्ट्र	10	49	698
12	मणिपुर	1	से 7	22
13	मेघालय	1	5	18
14	नागालैंड	1	-	30
15	उत्तर पूर्वी क्षेत्र	1	-	26
16	ओडिशा	1	21	72
17	पंजाब	3	87	214
18	राजस्थान	10	126	240
19	सिक्किम	1	-	31
20	तमिलनाडु	3	75	74
21	तेलंगाना	7	90	217
22	त्रिपुरा	1	-	31
23	उत्तर प्रदेश	19	450	807
24	पश्चिम बंगाल	3	75	199
	कुल	**141**	**1698**	**4900**

डाइट के प्राचार्यों और संकाय सदस्यों के लिए वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला, डी.एल.एड. और बी.एड. 29 सितंबर को जौनपुर जिले, यू.पी. के कॉलेजों में कार्यशाला में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

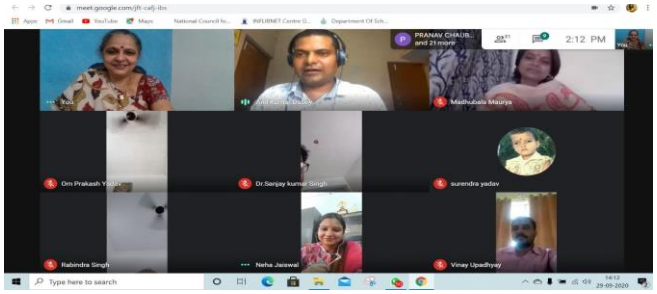

पलामुरू विश्वविद्यालय, महबूबनगर, तेलंगाना 29 सितंबर से संबद्ध शिक्षा के 30 कॉलेजों के लिए वी.एन.टी.ई.एल पर ऑनलाइन कार्यशाला। कार्यशाला का उद्घाटन पालमुरु विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. पिंडी पवन कुमार ने किया और 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

महाराष्ट्र राज्य के 13 डाइट - अहमदनगर, नाशिक, धुले, नंदुरबार, जलगाँव, औरंगाबाद, परभनी, जालना, बीड, उस्मानाबाद, लातूर, वाशिम और हिंगोली के लिए वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला जो एस.सी.ई.आर.टी. / डाइट से जुड़े विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 123 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 29 सितम्बर को कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. कमलादेवी अवाटे, उप निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. पुणे ने किया।

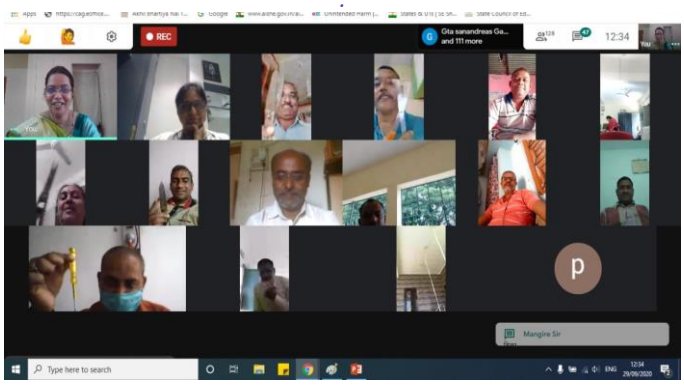

33 बी. एड. कॉलेजों के लिए एक वी.ई.एन.टी.ई.एल. ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी। 28 सितंबर को महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, नलगोंडा से संबद्ध कॉलेज में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एम. यादगिरी ने उद्घाटन भाषण दिया।

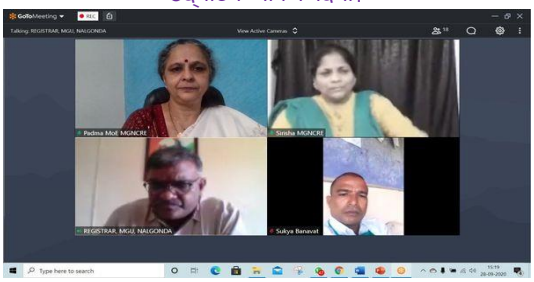

कर्नाटक राज्य के संबद्ध बी. एड. और डी. एड. कॉलेजों के लिए वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला 28 सितंबर 2020 को आयोजित किया गया था। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. जी. आर. अंगड़ी, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ एजुकेशन, गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा किया गया।

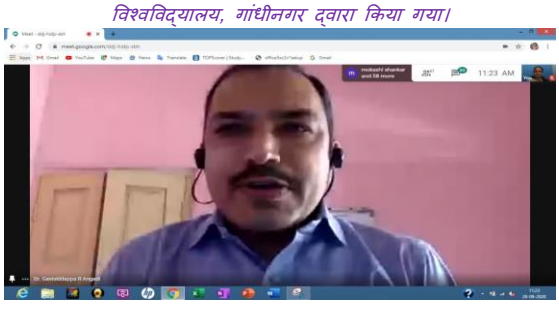

डाइट पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरि, मुंबई सहारानी उपनगर, पुणे, सोलापुर, सेतारा, सांगली, सिंधुदुर्ग और कोल्हापुर, महाराष्ट्र में वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला में 28 सितंबर को एस.सी.ई.आर.टी. पुणे से जुड़े कई शिक्षण संस्थानों के 104 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. कमलादेवी अवाटे, उप निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. पुणे।

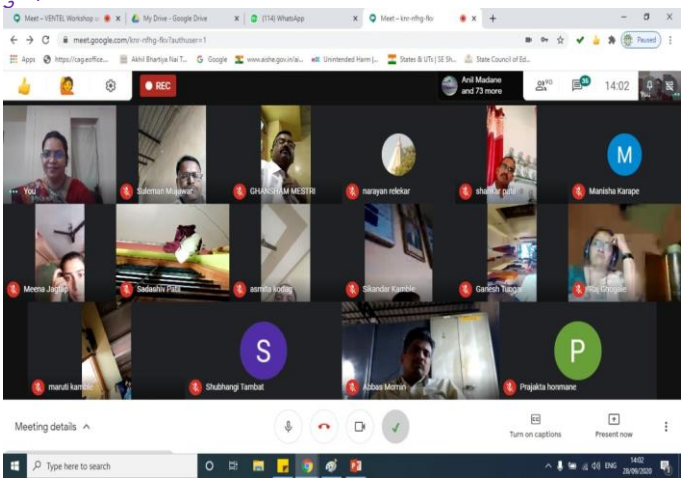

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय नांदेड़ में वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला, 28 सितंबर को विभिन्न संबद्ध शिक्षण संस्थानों के 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति डॉ. उद्धव वी. भोंसले ने किया।

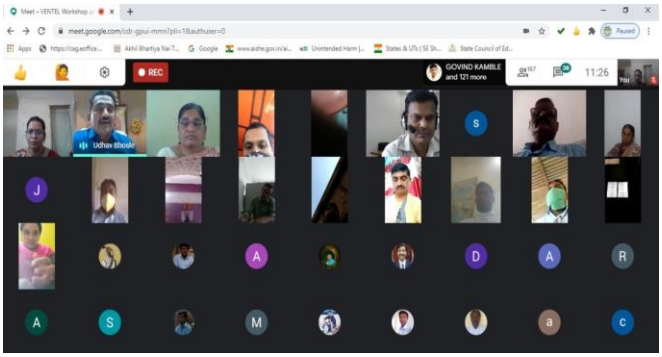

कोटा विश्वविद्यालय और महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के 27 शैक्षणिक संस्थानों ने 26 सितंबर को वी.ई.टी.ई.एल. कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन डीन फैकल्टी डॉ. मिनाक्षी मिश्रा ने किया।

तीन वी.एन.टी.ई.एल. 24, 25 और 26 सितंबर 2020 को उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से संबद्ध शिक्षा के 74 कॉलेजों के प्राचार्यों और संकाय सदस्यों के लिए किया गया। प्रो. ए. रामकृष्ण, प्रमुख, शिक्षा विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय तीन कार्यशालाओं में मुख्य अतिथि थे और उन्होंने एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा नई पहल का स्वागत किया था।
बर्दवान विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल के साथ 3 वी.एन.टी.ई.एल. कार्यशालाएँ आयोजित की गईं

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के शिक्षा विभाग से संबद्ध 150 कॉलेजों के प्राचार्यों और संकाय सदस्यों के लिए छः वी.एन.टी.ई.एल. कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

✓ **प्रत्येक संस्थान में एक वी.एन.टी.ई.एल. सेल होगा जो पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षा को एकीकृत करने के लिए विभिन्न गतिविधियों पर काम करेगा।**

अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर, राजस्थान के सभी संबद्ध कॉलेजों की शिक्षा के लिए वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला में एक विशेष अतिथि थे। शिक्षा को "रूमिंग" से "ग्रूमिंग" में ले जाना है और हमारी शिक्षा प्रणाली में "नेचर डेफिसिट डिसऑर्डर" को हटाकर हमें गांधीजी के नई तालीम के रास्ते पर ले जाना चाहिए, जो उन्होंने 100 से अधिक प्रतिभागियों जो शिक्षा से जुड़े विश्वविद्यालय के कॉलेजों को संबोधित करते हुए कहा था।

वी.बी.जी.एस.टी.सी., उदयपुर के प्रोफेसर एमेरिटस, प्रोफेसर एम. पी. शर्मा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर, राजस्थान के शिक्षा के सभी संबद्ध कॉलेजों के लिए एक दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक शिक्षा - नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) कार्य योजना कार्यशाला में मुख्य वक्ता थे। उन्होंने कहा कि इस समय तक भारत में स्मार्ट गाँव होंगे, हमने पिछले 73 वर्षों में गांधीजी की नई तालीम को अक्षर और भाव से लागू किया था। 23 सितंबर 2020 को कार्यशाला में विश्वविद्यालय से संबद्ध शिक्षा कॉलेजों के 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जी.सी.ई.आर.टी. से संबद्ध डाइट और कॉलेजों के प्राचार्यों और संकाय सदस्यों के लिए 4 वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशालाएं गुजरात में 22 सितंबर को डॉ. टी. एस. जोशी, निदेशक, मुख्य अतिथि के रूप में आयोजित की गई थीं।

23 सितम्बर को सातवाहन विश्वविद्यालय, करीमनगर, तेलंगाना के संबद्ध शिक्षा कॉलेजों के 24 प्रतिभागी (प्राचार्य और संकाय सदस्य) नाई भाग लिया।

गुजरात के मेहसाणा, सूरत, तापी, वडोदरा, चोतौदीपुर, वलसाड और डांग जिलों में जी.सी.ई.आर.टी. से संबद्ध डाइट और कॉलेजों के शिक्षा के 46 प्रतिभागियों (प्राचार्य और संकाय सदस्य) ने 23 सितंबर को वी.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला में भाग लिया।.

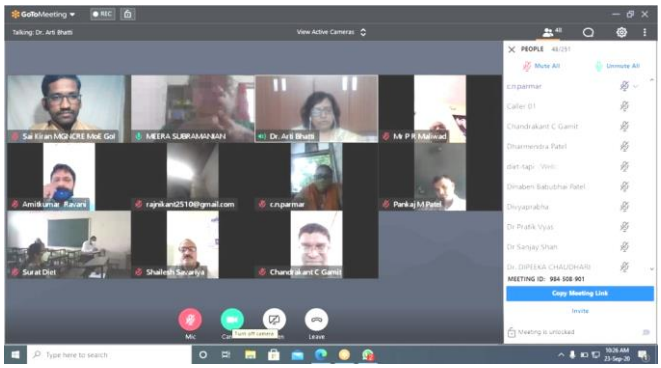

4900 प्रतिभागियों के साथ कुल 141 कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। परिणामस्वरूप 1698 वी.एन.टी.ई.एल. सेल बनाए गए।

✓ **कार्यशाला के बाद, संस्थानों में एक वी.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना समिति होगी जो अपने संबंधित संस्थानों में एक वी.एन.टी.ई.एल. गतिविधियों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगी।**

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) कार्यशालाएँ

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ग्रामीण उद्यमिता विकास सेल (आर.ई.डी.सी.) की स्थापना के लिए पूरे भारत में उच्च शैक्षणिक संस्थानों को प्रोत्साहित कर रहा है। उद्देश्यों के साथ कई कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं - आर.ई.डी.सीडी डाइट. की दृष्टि को समझने के लिए; संस्थान में आर.ई.डी.सी. कार्य योजना समिति की आवश्यकता की सराहना; परिसर और पड़ोस के गांवों में आर.ई.डी.सी. से संबंधित पहलुओं की पहचान करना; के महत्व की सराहना करें स्थायी कार्रवाई के लिए आर.ई.डी.सी. कार्य योजना संस्थागत बनाने; ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना; ग्रामीण उद्यमिता, ग्रामीण कार्य और संस्थागत जिम्मेदारी के क्षेत्रों में कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में पता / साझा करें; आर.ई.डी. में उदाहरण / केस अध्ययन साझा करें; आर.ई.डी.सी. गतिविधियों के प्रलेखन पर स्पष्टता हासिल करना; और आर.ई.डी.सी. कार्य योजना के कार्यान्वयन के लिए तैयार रहना।

अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अन्ना विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के संबद्ध कॉलेजों के लिए ऑनलाइन ग्रामीण उद्यमिता विकास कार्यशाला को संबोधित करते हुए - 17 सितंबर

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) कार्यशालाएँ
सितंबर 2020

क्र.सं.	राज्य	कार्यशाला	प्रतिभागी	आर.ई.डी. सेल
1	उत्तर प्रदेश	3	**190**	41
3	**असम**	1	**20**	**6**
4	**गुजरात**	2	**80**	**28**
5	तेलंगाना	3	65	35
6	कर्नाटक	5	79	50
7	आंध्र प्रदेश	6	129	90
8	महाराष्ट्र	6	117	57
9	तमिलनाडु	19	133	198
10	केरल	5	90	48
12	हरियाणा	6	84	69
13	मध्य प्रदेश	1	**26**	21
14	छत्तीसगढ़	3	**40**	**35**
15	पश्चिम बंगाल	6	**381**	**96**
16	राजस्थान	3	58	20
17	पंजाब	2	24	**20**
	कुल	**71**	**1516**	**814**

ग्रामीण उद्यमिता का तात्पर्य है **ग्रामीण** क्षेत्रों में उभरती हुई **उद्यमशीलता**, एक ऐसी ताकत है जो अन्य संसाधनों को जुटाती है ताकि बिना बाजार की मांग, निर्माण करने की क्षमता और। व्यावहारिक रूप से कुछ नहीं से कुछ का निर्माण।

जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी हैदराबाद 28 सितंबर को संबद्ध एम.बी.ए. संस्थानों के लिए ऑनलाइन ग्रामीण उद्यमिता विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया था

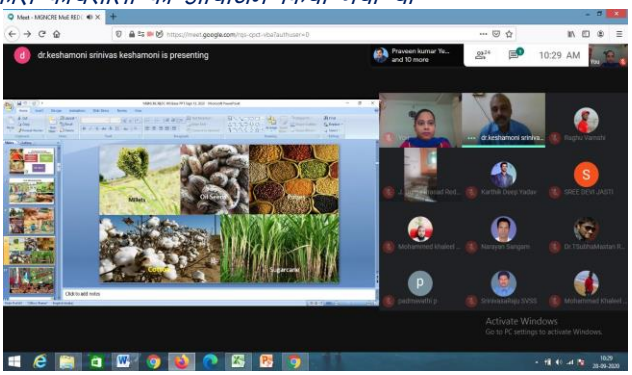

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय (आर.टी.एम.एन.यू.), महाराष्ट्र के माननीय कुलपति डॉ. सुभाष चौधरी ने 8 सितंबर को संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय प्रधानाध्यापक, 25 सितम्बर

सिद्धू कान्हू बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल, 19 सितंबर को माननीय कुलपति डॉ. दीपक कुमार कर की उपस्थिति में

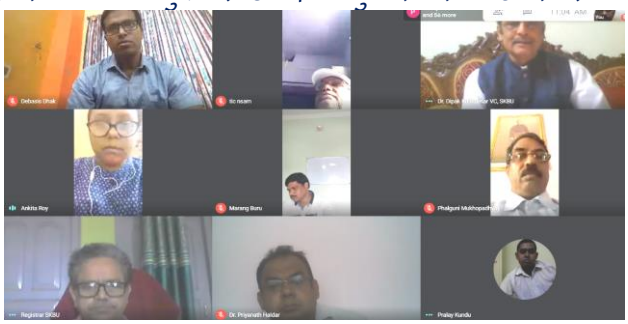

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात 23 सितंबर को माननीय कुलपति डॉ. नितिन कुमार एम. पठानी की उपस्थिति में

26 सितंबर को एस.पी.पी.यू, महाराष्ट्र के संबद्ध कॉलेजों के लिए कार्यशाला। एस.पी.पी.यू. के डीन डॉ. पराग कालकर मुख्य अतिथि थे।

18 सितंबर को भारतीय विश्वविद्यालय और अन्ना विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के संबद्ध कॉलेजों के लिए कार्यशाला

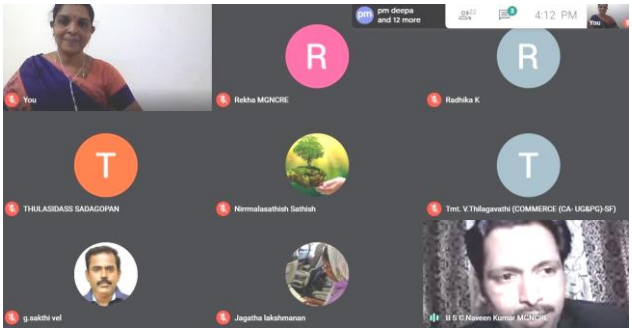

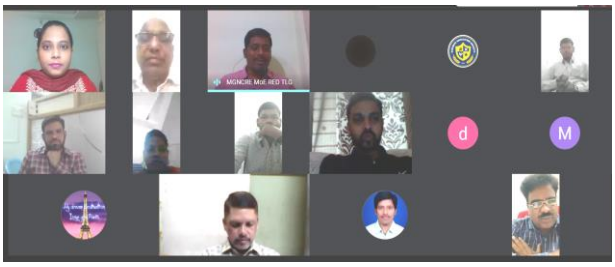

23 सितंबर ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना से संबद्ध बी.बी.ए. और एम.बी.ए. कॉलेजों को ऑनलाइन ग्रामीण उद्यमिता विकास कार्य योजना कार्यशाला

एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. - बिजनेस स्कूल कनेक्ट (एफ.बी.एस.सी.) कार्यशालाएं

वर्तमान शिक्षा प्रणाली कार्य और शिक्षा को अलग - अलग संस्थाओं के रूप में मानती है, जिसके परिणाम स्वरूप एक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यावसायिक शिक्षा - अनुभवात्मक शिक्षा पर आधारित है। पिछले कुछ वर्षों से, एम.जी.एन.सी.आर.ई. अनुभवात्मक शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है और शिक्षा कॉलेजों के संकाय के लिए कई एफ.डी.पी. और कार्यशालाएं आयोजित की है। एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. - बिजनेस स्कूल कनेक्ट (एफ.बी.एस.सी.) सेल का गठन और इसे उच्च शैक्षणिक संस्थानों से जोड़ना एक साथ कार्य और शिक्षा के संबंध में पहला कदम है। एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. की व्यावहारिक चुनौतियों को एक बनाया जाएगा

केस स्टडी के रूप में प्रबंधन पाठ्यक्रम का हिस्सा छात्रों को व्यावहारिक रूप से जोखिम देता है जबकि संकाय और छात्रों द्वारा प्रदान किए गए समाधान एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेंगे। दोनों पक्षों के लिए एक विन-विन स्थिति। इस अवधारणा को वास्तविकता में लाने के लिए, एम.जी.एन.सी.आर.ई. अपनी आवश्यकताओं को समझने और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार पेशेवर मदद का विस्तार करने के उद्देश्य से एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. के लिए कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है। अपने सी.ई.ओ. द्वारा एफ.बी.एस.सी. सेल लीड का गठन कार्यशाला का हिस्सा बनने के लिए शर्त है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने उत्पाद विपणन रणनीतियों, भवन जैसे कुछ क्षेत्रों की पहचान की नेटवर्क और तकनीकी उन्नयन जहां एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. द्वारा पेशेवर मदद की आवश्यकता है।

एफ.बी.एस.सी. सेल छात्रों से पेशेवर मदद लेने के लिए बी-स्कूलों के बी.बी.ए. / एम.बी.ए. स्नातकों के लिए इंटर्नशिप / अप्रेंटिसशिप की पेशकश करेगा। एफ.बी.एस.सी. कार्यशालाओं का उद्देश्य एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. की चुनौतियों और चिंताओं को समझना और उन्हें व्यावसायिक सहायता प्राप्त करने के लिए आस-पास के व्यवसाय प्रबंधन स्कूलों के साथ जोड़ना है। ये स्कूल बी.बी.ए. / एम.बी.ए. के छात्रों को इंटर्न के रूप में ले सकते हैं ताकि उनकी कुछ चिंताओं को परियोजनाओं के माध्यम से संबोधित किया जा सके और एक पारस्परिक रूप से लाभकारी संघ हो सके।

एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. वेतन आयोग - बिजनेस स्कूल कनेक्ट (एफ.बी.एस.सी.) कार्यशालाएं सितंबर 2020

क्र.सं.	राज्य	कार्यशाला	प्रतिभागी	एफ.बी.एस.सी. सेल
1	उत्तर प्रदेश	14	134	127
2	आंध्र प्रदेश	4	51	51
3	उत्तराखंड	2	11	8
4	तेलंगाना	6	57	29
5	महाराष्ट्र	20	198	195
6	हरियाणा	6	53	8
7	बिहार	7	60	10
8	कर्नाटक	4	40	23
9	गुजरात	5	50	50
10	केरल	5	41	34
11	मध्य प्रदेश	1	9	8
12	छत्तीसगढ़	2	20	20
13	तमिलनाडु	3	36	28
14	ओडिशा	3	30	30
15	झारखंड	1	10	10
16	राजस्थान	1	6	5
17.	हिमाचल प्रदेश	3	24	24
	कुल	**87**	**830**	**636**

एफ.बी.एस.सी. कार्यशाला के उद्देश्य

- *एफ.बी.एस.सी. सेल के दृष्टि को समझें*
- *एफ.बी.एस.सी. कार्य योजना की आवश्यकता की सराहना करें*
- *शैक्षणिक संस्थानों और पड़ोस के गांवों के लिए एफ.बी.एस.सी. से संबंधित पहलुओं की पहचान करना*
- *ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना*
- *ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण कार्य के क्षेत्रों में कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में पता / साझा करें*
- *एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी. के उदाहरण / केसलेट / मामले साझा करें*
- *एफ.बी.एस.सी. कार्य योजना के कार्यान्वयन के लिए तैयार करें*

महाराष्ट्र के औरंगाबाद, चंद्रपुर, गोंदिया, यवतमाल और नासिक जिलों में एफ.पी.ओ. के लिए 25 सितंबर को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

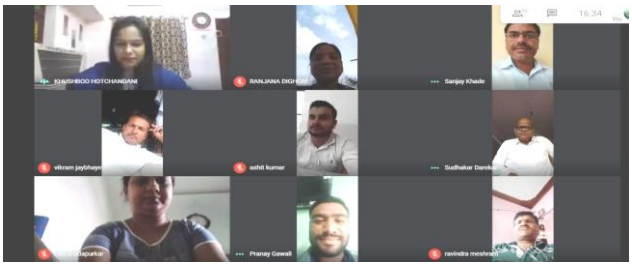

25 सितंबर को बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, तेलंगाना, यू.पी., हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के एफ.पी.ओ. प्रतिनिधियों के साथ 10 एक दिवसीय एफ.बी.एस.सी. कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

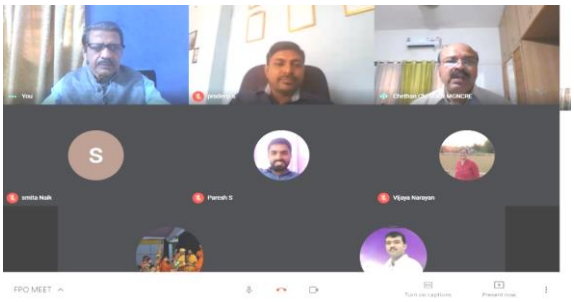

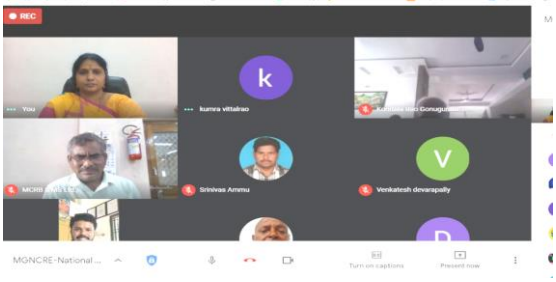

महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, हरियाणा, उत्तराखंड और कर्नाटक से 24 सितंबर को एफ.पी.ओ. प्रतिनिधियों के साथ 12 एक दिवसीय एफ.बी.एस.सी. कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

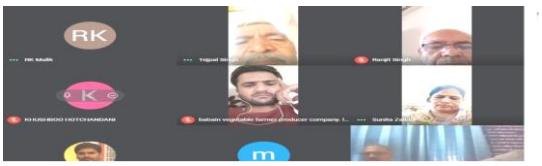

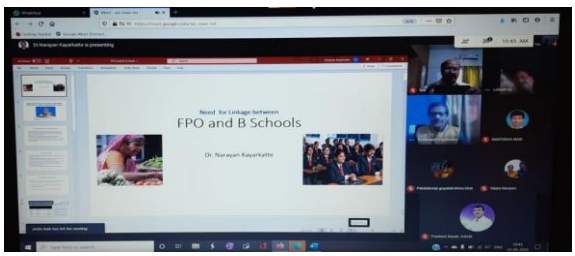

सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य प्रकोष्ठ कार्य योजना (एस.ई.एस. आर.ई.सी.) कार्यशालाएं

सितंबर 2020

क्र. सं.	राज्य	प्रतिभागी	एस.ई.एस. आर.ई.सी.सेल
1	महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक और गोवा	573	306
2	छत्तीसगढ़, हरियाणा, गुजरात, आंध्र प्रदेश	367	241
3	मध्य प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश	236	20
4	तमिलनाडु, गुजरात, आंध्र प्रदेश	222	15
5	पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, महाराष्ट्र	170	10
	कुल	**1568**	**592**

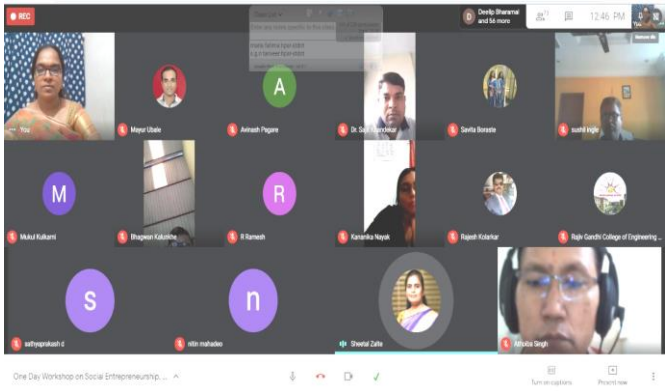

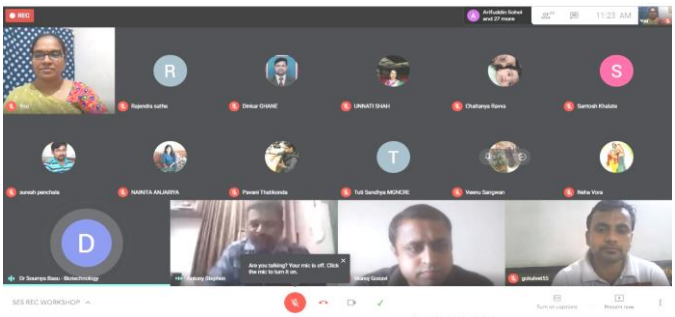

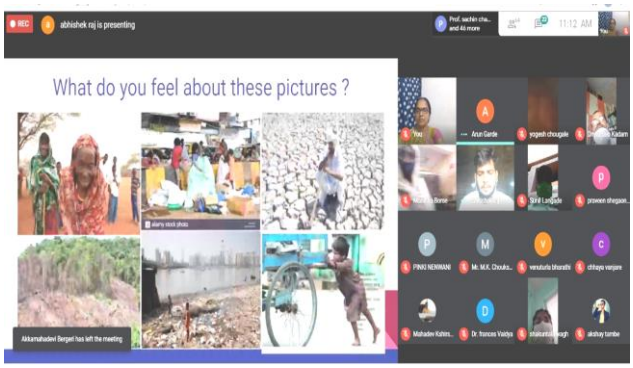

यह देखते हुए कि उच्चतर शिक्षा संस्थानों को समाज में ज्ञान का संरक्षक माना जाता है, निहितार्थ शिक्षा प्रणाली में सामाजिक उद्यमिता बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इन मुख्य विचारों और अवधारणाओं को एक परस्पर संवादात्मक तरीके में सीखा गया था। सामाजिक उद्यमशीलता और अभिनव सामाजिक परिवर्तन के विचार प्रतिभागियों से प्राप्त किए गए थे। इसके अलावा, उ.शि.सं. और उनकी भूमिका का महत्व जिसमें सामाजिक उद्यमों, सेवाओं, और बुनियादी ढांचे (विशेष रूप से गांवों में) को मजबूत करने के लिए मानव संसाधनों के प्रावधान के माध्यम से उच्च - स्तरीय कौशल प्रशिक्षण को बढ़ाना शामिल है, को केस स्टडी से निपटा गया।

राष्ट्रीय विकास के प्रयासों और सामाजिक परिवर्तन में योगदान देने में भूमिकाओं के प्रति सामाजिक रूप से जिम्मेदार और सचेत रहने के लिए अकादमिक और महत्वपूर्ण तैयारी में योगदान देने की अवधारणा प्रस्तुत की गई। ग्रामीण विविधता को समझने की अवधारणाएं और विचार - विमर्श के साथ ग्रामीण जुड़ाव के लिए एक भी दृष्टिकोण नहीं है।

सच्ची शिक्षा आसपास की परिस्थितियों के अनुरूप होनी चाहिए या यह एक स्वस्थ विकास नहीं है।
महात्मा गांधी

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पूर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-10-174, शक्कर भवन, फ़तेह मैदान रोड, बशीरबाग, हैदराबाद, तेलंगाना-500004
दूरभाष : 040-23212120, 23422105, फैक्स : 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in , वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी
श्री पी.सरदार सिंह, सदस्य-सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित